Mohanlal Sukhadia University

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर, 313001

NAAC-SSR (Assessment Year: 2017-22)

Criterion- 7

Institutional Values and Best Practices

Key Indicator 7.1.6:

Quality Audits and Environment Initiatives

Supporting Documents

Udaipur Bird Race 23-01-2021

NATIONAL SERVICE SCHEME

University College of Science

Mohanlal Sukhadia University, Udaipur

UDAIPUR BIRD RACE (Name of the event) was conducted by the **NSS** (NCC/NSS/YRC/any other-please mention) unit of the University College of **SCIENCE** / OR Department of _____, Mohanlal Sukhadia University, Udaipur on/ from **23 JANUARY 2021**(date/s).

The objective was to see as many species as possible within one full bird watching day and knowing about them as possible as can. It is a kind of recreation activity for the students. People can have a connection with nature and able to spend time in observing wildlife.

A total number of **105 Students** participated in the programme.

Seal and Signature

(Officer-In-Charge)

DEEPTI SHRIMAL
NSS Programme Officer, Unit V
University College of Science
Mohanlal Sukhadia University
UDAIPUR (Raj.)

Training and encouragement to start Vermicomposting as an entrepreneurship for socioeconomic upliftment

Under the RUSA 2.0 project, funded by the Ministry of Education, Government of India, the production of vermicompost was started by preparing 5 units of vermicompost in the village Karakala, adopted by the Zoology Department of Mohanlal Sukhadia University Udaipur with the inspiration of Hon'ble Vice Chancellor, Prof. Amerika Singh.

Project Coordinator and Head Department of Zoology, Prof. Arti Prasad said that in view of the increasing hazardous effects of chemical fertilizers, first of all, the farmers were given technical and practical training about the process of making vermicompost, after which the unit of vermicompost was established at the homes and fields of the selected five farmers. With which Karakala has taken its first step towards organic farming.

Welcoming the initiative of the department, Sarpanch representative Mukesh Kalasua reiterated his resolve of all possible help and assistance and motivated more and more farmers to join this initiative of the department. Research scholar of the department Girish Kumar Kalal worked as the volunteer of the department. Farmer Pyarelal Dangi, who adopted the innovation from Udaipur, inspired the farmers to use vermicompost. During this, the support of social worker Dinesh Suthar, Panchayat Secretary Manish Patidar, Rakesh Sharma, Harish Mehta and Aman Suthar was received.

Glimpses of Establishment of Vermicomposting Units at Farmer's homes and farms:-

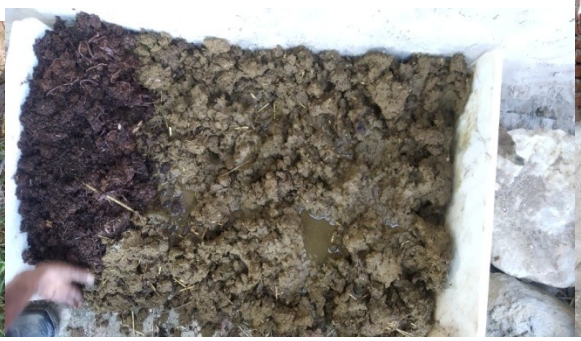

Media Coverage:-

दैनिक नवज्योति   Udaipur City - 01

[illegible] करने की मांग की।

जैविक कृषि में कराकला ने बढ़ाए कदम

ब्यूरो/नवज्योति, उदयपुर। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के रूसा 2 प्रोजेक्ट में मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के प्राणी शास्त्र विभाग ने कुलपति प्रो अमेरिका सिंह की प्रेरणा से गोद लिए गांव कराकला में वर्मी कम्पोस्ट के पांच यूनिट तैयार कर उत्पादन शुरू कर दिया है। प्रोजेक्ट कॉर्डिनेटर एवं विभागाध्यक्ष प्रो आरती प्रसाद ने बताया कि रासायनिक खाद के बढ़ते दुष्प्रभाव को देखते हुए किसानों को सर्वप्रथम वर्मी कम्पोस्ट बनाने की प्रक्रिया के बारे में तकनीकी एवं प्रायोगिक प्रशिक्षण दिया गया। बाद में चयनित पांच किसानों के घर व खेतों पर वर्मीकम्पोस्ट इकाई स्थापित की गई। इसके साथ ही कराकला ने जैविक कृषि की दिशा में पहला कदम बढ़ा लिया है। सरपंच प्रतिनिधि मुकेश कलासुआ ने विभाग की पहल का स्वागत करते हुए हरसम्भव मदद एवं सहायता का संकल्प दोहराया। इस दौरान समाजसेवी दिनेश सुथार, पंचायत के सचिव मनीष पाटीदार, राकेश शर्मा, हरीश मेहता एवं अमन सुथार, प्यारेलाल डांगी आदि उपस्थित थे।

दैनिक नवज्योति   विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें 2488381, 82, 83

दैनिक भास्कर   उदयपुर 01-12-2021

किसानों को कंपोस्ट की प्रक्रिया बताई

उदयपुर। सुविवि के प्राणी शास्त्र विभाग द्वारा कराकला गांव में वर्मी कंपोस्ट की 5 यूनिट तैयार कर उत्पादन शुरू किया गया। कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह ने बताया कि उन्नत कृषि के लिए विश्वविद्यालय आवश्यक उपकरण, संसाधन उपलब्ध कराएगा और इससे जुड़ी शोध परियोजनाओं के लिए प्रपोजल सरकार को भेजे जाएंगे। विभागाध्यक्ष प्रो. आरती प्रसाद ने बताया कि रासायनिक खाद के बढ़ते दुष्प्रभाव को देखते हुए विभाग द्वारा किसानों को वर्मी कंपोस्ट को बनाने की प्रक्रिया के बारे में तकनीकी एवं प्रायोगिक प्रशिक्षण दिया गया। इसके बाद चयनित पांच किसानों के घर और खेतों पर वर्मी कंपोस्ट की इकाई स्थापित की गई।

NATIONAL SERVICE SCHEME

University College of Science

Mohanlal Sukhadia University, Udaipur

Distribution of ORS to marathon participants and cleaning the area after marathon (Name of the event) was conducted by the **NSS** (NCC/NSS/YRC/any other-please mention) unit of the University College of **SCIENCE** / OR Department of _____, Mohanlal Sukhadia University, Udaipur on/ **27 MARCH 2022** (date/s).

A total number of **70 Students** participated in the programme.

Seal and Signature
(Officer-In-Charge)

DEEPTI SHRIMAL
NSS Programme Officer, Unit V
University College of Science
Mohanlal Sukhadia University
UDAIPUR (Raj.)

National Service Scheme

UNIVERSITY COLLEGE OF SOCIAL SCIENCES & HUMANITIES

MOHANLAL SUKHADIA UNIVERSITY:UDAIPUR

Report on Two Days Camp for Cleanliness

(Shramdaan for Swachchhata)

Date : September 16-17, 2018

Two Days Camp (Shramdaan for Swachchhata) was conducted by the NSS unit I and II of the University College of Social Sciences and Humanities, Mohanlal Sukhadia University, Udaipur on September 16-17, 2018 . It was a cleanliness drive within the campus of the University. The objective of the camp was to inculcate the value of respect for *Shram* among students. Many NSS students, 70 in numbers, and NSS Programme Officers of both the Units of the College participated in the programme. They picked all kind of garbage within and nearby the College and Administrative block of the University. They removed parthenium from the pathways also.

(Dr. Nehla Paliwal)

Programme Officer, Unit I, NSS, UCSSH,

MLSU

No.1 RAJ NAVAL UNIT NCC
NCC
UDAIPUR-313001

NO.1 RAJ NAVAL UNIT NCC
UDAIPUR-313001

Prof. P. K. Singh
Dean & Faculty Chairman
University College of Commerce & Management Studies
Mohanlal Sukhadia University
Udaipur-313 001 (Rajasthan) INDIA
Telefax : 0294-2411408 (O)
Cell : 91-9414737346

SHRAMDAAN ACTIVITY (Name of the event) was conducted by the 1 RAJ NAVAL UNIT (NCC/NSS/YRC/any other-please mention) unit of/with the university college of UCCMS Mohanlal Sukhadia University, Udaipur on/from MARCH 25, 2022 (date/s).

The objective of the programme was to

NCC NAVY CADETS AND STUDENTS OF UCCMS HAD DONE THE CLEANING OF ROOPSAGAR LAKE ON THIS DAY [PROF] PK SINGH SIR TAUGHT ALL THE STUDENT AND CADETS THE IMPORTANCE OF CLEAN AND HEALTHY ENVIROMENT.

A total number of 25 Cadets/Students participated in the programme.

Seal and Signature of the DEAN [UCCMS]

DEAN
University College of Commerce
& Management Studies
Mohan Lal Sukhadia University
UDAIPUR

45, Shanti Nagar, Roop Sagar Road, University Road, UDAIPUR-313 001
E-mail: prabhat_udp@yahoo.co.in; prabhatudr@gmail.com

पशु-पक्षियों के प्रति प्रेम **10-05-2020**

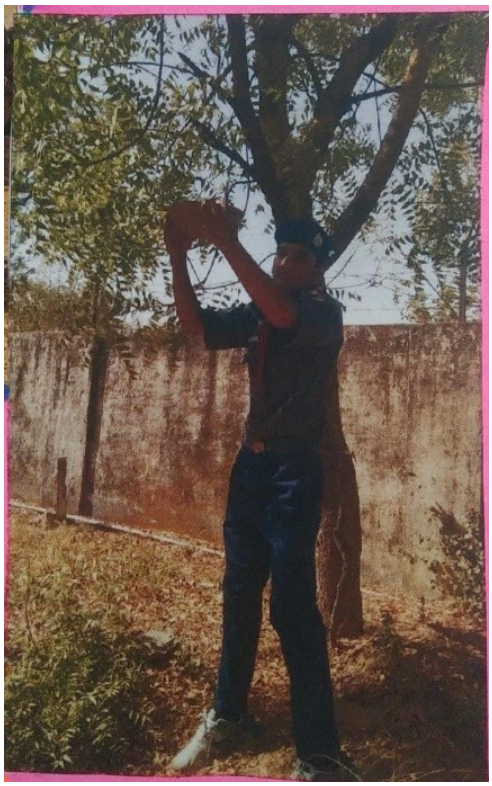

MOHANLAL SUKHADIA UNIVERSITY ROVER CREW, UDAIPUR (RAJ.)

Dr. Khushpal Garg
Rover Scout Leader

Office : 203, DSW Office,
MLSU, Udaipur
Email : mlsurovercrew@gmail.com
Mob. : 7742477702

कार्यक्रम का नाम-: पशु-पक्षियों के प्रति प्रेम

दिनांक-: 10/5/2020

प्रतिभागियों की संख्या-: 32

उद्देश्य-:पशु पक्षियों के प्रतिरोवर्स के मन में प्रेम जगाना एवं पर्यावरण संरक्षण के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान करना।

परिणाम-:रोवर्स द्वारा अपने आसपास विभिन्नपक्षियों हेतु परिंडे बांधे गए तथापशुओंको चारा वितरित किया गया।

Dr. Khushpal Garg
Rover Scout Leader
Mohan Lal Sukhadia University
Rover Crew, Udaipur (Raj.)

MOHANLAL SUKHADIA UNIVERSITY ROVER CREW, UDAIPUR (RAJ.)

Dr. Khushpal Garg
Rover Scout Leader

Office : 203, DSW Office,
MLSU, Udaipur
Email : mlsurovercrew@gmail.com
Mob. : 7742477702

कार्यक्रम का नाम-:चिंतन दिवस

दिनांक-:22/2/2021

प्रतिभागियों की संख्या-:30

उद्देश्य-

:इसदिवसकामुख्यउद्देश्यस्काउट्सकोस्काउटआन्दोलनमेंशामिलकरनाऔरपर्यावरणसंबंधितविषयोंपरचर्चाकरसमाधानप्राप्तकरनाहैऔरसाथहीसाथआनेवालीयुवापीढ़ीमेंस्काउटिंगकेमहत्वकोबढ़ावादेनाहै।

परिणाम-:स्काउटिंग, उसके उद्भव एवं उसके जन्मदाता लार्ड बेडेन पॉवेल के जीवन मूल्यों के बारे में युवाओ को जागरूक किया गया।

Dr. Khushpal Garg
Rover Scout Leader
Mohan Lal Sukhadia University
Rover Crew, Udaipur (Raj.)

Environment Awareness Cycle-Rally 08-01-2022

मदार, आयड़ को सुंदर व स्वस्थ बनाने पर चिंतन

ब्यूरो/नवज्योति, उदयपुर। आयड़ बेड़च नदी बेसिन के पेड़, पहाड़, पानी व संपूर्ण पर्यावरण को सुरक्षित व संरक्षित करने के जन वैज्ञानिक अभियान में शहर जुड़ रहा है। पर्यावरण संरक्षण गतिविधि से जुड़ी सुनाक्षी गुप्ता राजगढ़िया व विद्या भवन डेनमार्क डानिडा प्रोजेक्ट शोधार्थी डॉ योगिता दशोरा ने बताया कि पर्यावरण चेतना साइकिल यात्रा के तहत शनिवार को उदयपुर चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री, मुस्कान क्लब, विधि महाविद्यालय, प्रताप गौरव केंद्र, बीएन विश्वविद्यालय, विद्या भवन, स्टेनवर्ड स्कूल, विद्या निकेतन, महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय, ग्रीन ट्राइब सोसायटी, आकाशदीप संस्थान द्वारा विविध कार्यक्रमों को आयोजित किया गया। पर्यावरण को बचाना है, कोरोना को भगाना है, इस नारे के साथ साइकिल यात्राएं हुई। पानी की जांच हुई। मदार नहर, आयड़ नदी को सुंदर व स्वस्थ बनाने पर चिंतन हुआ। पूर्व वरिष्ठ वन अधिकारी ओपी शर्मा, प्रताप सिंह चूंडावत, वीपीएस राणा, विधि महाविद्यालय की डीन डॉ राजश्री चौधरी, मुस्कान क्लब की संयोजक डॉ श्रद्धा गट्टानी, बीएन विश्वविद्यालय की डीन डॉ अर्पणा शर्मा, शिक्षाविद डॉ सीमा नरुका, डॉ अरविंद आशिया, डॉ भगवती अहीर, रेणु जाधव, वंदना गलुण्डिया, सत्यप्रकाश मूंदड़ा, पर्यावरणविद डॉ पीसी जैन, डॉ साक्षी जैन, डॉ आशा अरोड़ा, रानू सिंघवी, नाहर सिंह, रंगकर्मी विलास जानवे, किरण जानवे के नेतृत्व में सभी ने उदयपुर के पर्यावरण को सुधारने मे पूरी कर्मठता से जुड़ने का संकल्प लिया।

—:आमन्त्रण:—

पेड़ पहाड़ पानी पर्यावरण चेतना साइकिल यात्रा
जल जंगल जमीन जानवर जन संरक्षणार्थ

6 जनवरी से 12 जनवरी 2022

महोदय/महोदया,

हमारा हर एक युवा, हर किशोर, हर बालिका, हर महिला, हर नागरिक स्वयं पर्यावरण संरक्षण की मुहिम में एक सक्रिय, सकारात्मक, सक्षम भूमिका निभाएं एवं, हमारे प्राकृतिक संसाधनों, जल स्त्रोतों, पहाड़, पानी, पेड़ सहित संपूर्ण जैव विविधता के संरक्षण व प्रबंधन मे स्वयंकर्ता, नेतृत्वकर्ता बनें। इस उद्देश्य से दिनांक 6 जनवरी से 12 जनवरी 2022 तक पेड़, पहाड़, पानी, पर्यावरण-चेतना नदी साइकिल यात्रा आयोजित की जा रही है।

मदार - बड़ी से लेकर उदयसागर - वल्लभनगर तक के उदयपुर के आयड - बेड़च नदी बेसिन में अलग अलग तिथियों पर अलग अलग समूह साइकिल यात्रा करेंगे, जो साइकिल नहीं चलाना चाहें तो वे पदयात्रा करेंगे। अधिकतम दूरी 3 से 5 किलोमीटर होगी। अभी तक निर्धारित मार्ग इस पत्र के साथ सलंग्न है।

आपसे निवेदन है कि कृपया सम्मिलित होकर पर्यावरण प्रहरी एवं नागरिक वैज्ञानिक की अपनी भूमिका को अभिव्यक्त करें । आप एक नागरिक अथवा एक संस्थान अथवा एक एनजीओ, किसी भी भूमिका में सहभागिता कर सकते हैं संस्थाएं अपना लोगो प्रेषित करें ताकि उन्हें पोस्टर इत्यादि पर प्रदर्शित किया जा सके।

साइकिल यात्रा के साथ-साथ अनेक पर्यावरण गतिविधियों का भी आयोजन होगा, जिनमे बायो डाईवर्सिटी असेसमेंट, वॉटर क्वालिटी असेसमेंट, पॉलीथीन-मुक्ति, ईको ब्रिक, कंपोस्टिंग इत्यादि प्रमुख है। कृपया विदित हो कि कार्यक्रम कोविड गाइड लाइन्स की पालना करते हुए होंगे।

धन्यवाद एवं नववर्ष की शुभकामनायें !

समन्वयक

डॉ योगिता दशोरा, सह संयोजक, उदयपुर वॉटर फोरम, विद्या भवन पोलीटेक्निक (उदयपुर - डेनमार्क समग्र जल प्रबंधन शोध योजना)

सुनाक्षी गुप्ता राजगढ़िया, निदेशक, एम जी एम प्राइवेट लिमिटेड (पर्यावरण कार्यकर्त्ता)

ओ.पी. शर्मा, अध्यक्ष, ग्रीन ट्राइब्स सोसायटी (सेवानिवृत आई एफ एस)

कमल शर्मा, संयोजक, पर्यावरण संरक्षण गतिविधि

जयदेव जोशी, शोधकर्ता, उदयपुर वॉटर फोरम, विद्या भवन पोलीटेक्निक(उदयपुर - डेनमार्क समग्र जल प्रबंधन शोध योजना)

RSVP : डॉ अनिल मेहता , प्राचार्य, विद्या भवन पोलीटेक्निक , 9414168945

हार्दिक वशिष्ठ, शोधकर्ता उदयपुर - डेनमार्क समग्र जल प्रबंधन शोध योजना 9079976469

पेड़ पहाड़ पानी पर्यावरण चेतना साइकिल यात्रा

-:नियमावली:-

1. **यात्रा समय सारणी:-**
   - **i) कार्यक्रम स्थान पर एकत्र होने का समय:-** **प्रातः10:00 बजे**
   - **ii) साइकिल यात्रा शुरू करने का समय:-** **प्रातः 11:00 बजे**
   - **iii) यात्रा पूर्ण कर गंतव्य स्थान पर पहुंचने का समय:-** **दोपहर 12 बजे तक**
   - **iv) गंतव्य स्थान पर कार्यक्रम का समय:-** **12:00 से 1:00 बजे तक**
2. कोरोना गाइड लाइंस की पालना करनी है।
3. एक साइकिल समूह मे अधिकतम संख्या 20 से 50 ही रखें। साइकिल चलाने वाले 16 वर्ष से उपर ही हो, अर्थात यदि स्कूल विद्यार्थी है तो 10 वीं या ऊपर की क्लास के हों।
4. मार्ग पर बाईं ओर ही चलेंगे। एक के पीछे एक साइकिल चलेगी अर्थात एक ही कतार होगी।
5. निर्धारित पर्यावरण स्लोगन के लिए कोई अन्य नारा नहीं लगाना है।
6. प्रारंभिक स्थल पर बायो डाइवर्सिटी असेसमेंट, वॉटर क्वालिटी असेसमेंट मे 15 से 20 प्रतिभागी रह सकेंगे, वे साइकिल नहीं चलाएंगे।
7. प्रारंभिक स्थल/ पहुँच स्थल पर विशेषज्ञ मार्गदर्शन करेंगे।
8. सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग नहीं करना है।
9. संस्थानों में पॉलीथीन नियंत्रण हेतु इको ब्रिक बनाने का प्रशिक्षण होगा।
10. जहाँ जहाँ पोस्टर / ड्राइंग बनाने की गतिविधि है, यदि विद्यार्थी संस्थान में अनुपस्थित है तो ऑनलाइन भी इस प्रतियोगिता में भाग ले सकते हैं।
11. औषधि योजना के तहत संस्थानों में पांच औषधीय पौधे वन विभाग की मदद से उपलब्ध कराये जायेंगे। जिन्हें अपने संस्थानों में लगाना है व सार संभाल करनी है।
12. सभी को ई-सर्टिफिकेट दिया जायेगा।

Route Chart

Tracks	Date	Starting point and participating institution	End point	Route
Track 1	6/1/2022	DPS , Aishwarya College, Rockwoods School	Roop Sagar Pal	Via Adarsh Nagar
Track 2	6/1/2022	Vidya Bhawan Public School / VBSSS/ VBGSTC/ Alok Panchwati	Field Club	VBSS SCHOOL- bhuwana old puliya- Behind railway colony- Aloo factory-STP- Gumaniya wala- Sukhadiya circle-Sahelion ki badi-
Track 3	71/2022	Sisarama School	Pratap Park	Pichola Ring Road
Track 4	7/1/2022	Ambamata Balika School	Chandpole	Via Amba pole
Track 5	7/1/2022	Chota Madar Talab	Madar School	
	7/1/2022	Bada Madar Talab	Madar School	
Track 6	8/1/2022	CPS, MPUAT, MLSU, Stanwad School, Vidhya Niketan Ashok nagar	Muskan club (Oriental Palace)	University gate, Bohra Gagnesh ji, Dhool kot, Gangubhi Kund (Maha satiya), River Cross, & CPS/Vidhya Niketan/Gangodbhav Kund
Track 7	8/1/2022	Vidya Bhawan Ramgiri School/GIES	VB B. Ed. College	Along Madar canal- Prap gaurav Kendra
Track 8	8/1/2022	Sec3 Vidhya niketan/ BN Girls	UCCI	FCI Puliya- STP-
	9/1/2022	Cyclist Group Badi lake	Vidya Bhawan Sr. Sec School	Hawala-RajeevGandhi park- Ayurvedic College- Along FS- Moti magri- FS Overflow- Sahelion ki Badi
Track 9	10/1/2022	Mahila sangoshthi by Rotary Meera		
Track10	10/1/2022	Goverdhan Sagar, Alok School Sector 11, Abhinav school	Bavdi near Abhinav school	Via CA circle- Kheda Circle- Subcity centre-
Track 11	10/1/2022	Aravali Institute of Technical Studies	Nearest Water Source	
Track 12	11/1/2022	VBRI Campus (VB P), Alok School Fatehpura	Marble Association Office	via Bedla- Sapetia
Track 13	11/1/2022	Geetanjali Institute of Technical Studies	Nearest Water Source	
Track 14	12/1/2022	Matoon, Kanpur, Bhoiyon ki Pachauli	Udai Sagar	Via Bhoiyon ki Pancholi
Track 15	12/1/2022	Vallabhnagar	Vallabhnagar Pond	

C-7.26

भूगोल विभाग

पृथ्वी विज्ञान संकाय

मोहनलाल सुखाडिया विश्वविद्यालय, उदयपुर

शैक्षणिक भ्रमण–बायो डाइवरसिटी पार्क, चिरवा, उदयपुर

दिनांक 25 जनवरी 2020 को भूगोल विभाग में एम. ए. द्वितीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों के लिए बायो डाइवरसिटी पार्क, चिरवा, उदयपुर में एक शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन किया गया। यह पार्क विश्व की सबसे प्राचीन अरावली पर्वत की सुन्दर की वादियों में स्थित है। पार्क में सघन पतझड़ी वन पाए जाते है। इस शैक्षणिक भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों में प्रकृति एवं उसकी पारिस्थितिकी, वन, वन्यजीव आदि के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करना रहा। विद्यार्थियों ने लगभग 6 किलोमीटर तक पार्क में पैदल चलकर प्रकृति और, उसकी पारिस्थितिकी का सूक्ष्म अवलोकन किया एवं उसकी कार्यप्रणाली को समझा। पार्क के अंतिम छोर पर स्थित ऐतिहासिक झील 'पुरोहितों का तालाब' का अवलोकन कर पुनः उसी मार्ग पर पैदल चलकर मुख्य द्वार पर आए। इस भ्रमण में विभागाध्यक्ष प्रो. सीमा जालान, असिस्टेंट प्रो. डॉ. देवेन्द्र सिंह चौहान, डॉ. सबिहा खान, डॉ. विजयी सिंह मीणा एवं उर्मि शर्मा, लेब असिस्टेंट श्री मांगी लाल आमेटा, कार्टोग्राफर कैलाश मीणा, विभाग के शोधार्थी एवं विभाग में अध्ययनरत एम. ए. प्रथम सेमेस्टर के कुल 31 विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्राकृतिक परिवेश को समझने के लिए यह भ्रमण अत्यंत महत्वपूर्ण रहा।

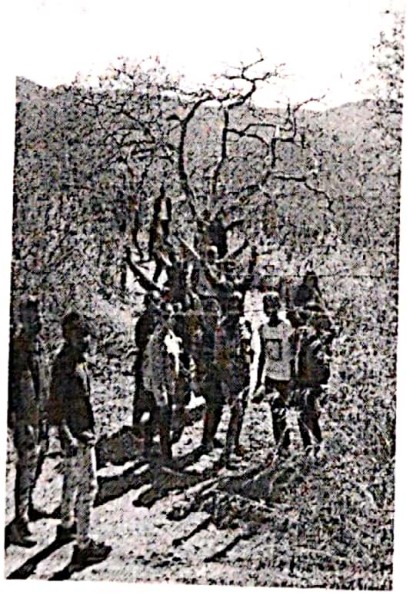

HEAD
DEPARTMENT OF GEOGRAPHY
MOHAN LAL SUKHADIA UNIVERSITY
UDAIPUR (Raj.)-313 001

Scanned with CamScanner

Village Adoption, Mask Distribution and Awareness Program at Karakala Village

Professor Arti Prasad, Head Department of Zoology Mohan Lal Sukhadia University, along with her brief team visited village Karakala. In which the team distributed masks to the villagers, got sanitization done in the village and made the villagers aware about vaccination.

During this visit Prof. Arti Prasad and the team accompanying him, following the corona protocol, made the villagers aware about vaccination and she told about the work that can be done for the development of the village in the coming time and appealed for cooperation from the villagers. During this, the team conducted a survey for mosquito-borne diseases in the village and made the villagers aware about the prevention of mosquito-borne diseases.

Prof. Arti Prasad said that the village was adopted with the inspiration of Honorable Vice Chancellor Prof Amerika Singh. Prof. Arti Prasad informed that this visit was organized under the Research Project and Career Hub of Rashtriya Uchchatar Shiksha Abhiyan 2.0 (RUSA-2.0) funded by MHRD, Government of India and work for the development of the village would be done under this scheme.

Prof. Prasad said that during the program, the youth team of the village enthusiastically participated and provided support. During the tour, the team included Dr. Devendra Kumar, Dr. Nilofer Syed, Dr. Ashok Kumar, Sanjay Meena, Naresh Kumar and Girish Kalal. During this, Sarpanch representatives Mukesh Kalasua, Dinesh Suthar, Nathulal Suthar, Kishore Singh, Meena Upadhyay, Kalulal Meena and other villagers were present.

Glimpses of the Event: -

नेचर पार्क
जयसमन्द वन्यजीव अभयारण्य

बाघदड़ा नेचर पार्क
जयसमन्द वन्यजीव अभयारण्य
कुम्भलगढ़ वन्यजीव

very day
Supply Oxygen
up to 4 People
You think
Worth Saving

Annex 7.2.3b

दैनिक भास्कर

उदयपुर, रविवार 13 अक्टूबर, 2019 | 06

विधिक सहायता शिविर में विद्यार्थियों ने नाटक मंचन कर दी कानून की जानकारी

गोगुंदा| जिला विधिक सेवा प्राधिकरण और एमएलएसयू के विधि महाविद्यालय के तत्वावधान में राउमावि गोगुंदा में विधिक सहायता शिविर हुआ। शिविर के मुख्य अतिथि विधायक प्रताप गमेती, विशिष्ट अतिथि उपप्रधान पप्पू राणा भील, संस्थाप्रधान रामकेश मीणा रहे। अध्यक्षता सहायक आचार्य डॉ. राजश्री चौधरी ने की। छात्र राजगुरु, नरपत सिंह ने सूचना के अधिकार अधिनियम, निकिता जालोरा ने साइबर क्राइम, शोएब पठान ने नए यातायात नियम, नीलम राठौड़ ने भारत में महिलाओं के अधिकारों की जानकारियां दी। अधिवक्ता ओम कुमार बारबर ने विधिक सेवा प्राधिकरण व लैंगिक अपराधों से बालकों के संरक्षण की जानकारियां दी। शिविर के दौरान लॉ कॉलेज विद्यार्थियों ने नाटक मंचन कर कानूनों की जानकारियां दी।

प्लास्टिक बेन पोस्टर का विमोचन किया

शिविर के दौरान अतिथियों ने प्लास्टिक बेन पोस्टर का विमोचन किया। साथ ही स्कूल परिसर से रैली निकाली। रैली चौगान, मुख्य बाजार, प्रताप चौक, मालियों का चौरा होते हुए राजतिलक स्थली पहुंची। विद्यार्थियों ने प्लास्टिक बैन अभियान के पेंपलेट बांटे। इस दौरान लॉ कॉलेज के डॉ. भाविक पानेरी, डॉ. कल्पेश निकावत, डॉ. भूपेंद्र कुमावत, डॉ. पुष्पलता डांगी, डॉ.भूमिका चौबीसा, डॉ. भारत सिंह राव, छात्रसंघ अध्यक्ष गौरव जैन, पंचायत समिति सदस्य डोसी मेघवाल, हिम्मत खटीक मौजूद थे।

2-10-2019

Annexure

7.6.1 (H)

पिपलांत्री में पर्यावरण महोत्सव कार्यक्रम के तहत बेटियों के नाम पर किया पौधरोपण

ब्यूरो/नवज्योति, राजसमंद। पूरे विश्व को बेटी, पानी, पेड़ गोचर भूमि और वन्यजीवों को बचाने का संदेश देने वाली निर्मल ग्राम पंचायत पिपलांत्री में बुधवार को मोहनलाल सुखाड़िया यूनिवर्सिटी के कुलपति अमेरिका सिंह की अध्यक्षता में पर्यावरण महोत्सव कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मावली विधायक धर्म नारायण जोशी, विशिष्ट अतिथि राजसमंद विधायक दीप्ति माहेश्वरी थीं। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों सहित वर्ष 2020 में जन्मी 8 बेटियों के नाम पर उनके माता-पिता द्वारा समारोह पूर्वक ढोल नगाड़ों के साथ पौधरोपण किया गया एवं हर पौधे के साथ बेटी का नाम लिखी तख्ती भी लगाई। पौधरोपण करने के बाद उनकी सार संभाल करने का भी संकल्प लिया गया। पिपलांत्री में अबतक लगभग 90 हजार पौधे बेटियों के नाम पर एवं कुल 4 लाख पौधरोपण किया जा चुका है। कार्यक्रम के दौरान गांव एवं आसपास की मां और बेटियों का भी सम्मान किया गया। गुरूवार को पेड़ों की रक्षा करने के लिए गांव की बेटियों द्वारा पेड़ों के राखी बांधी जाएगी।

विधायक दीप्ति ने कहा कि पर्यावरण प्रबंधन आज एक वैश्विक चुनौति है। मौसम चक्र में परिवर्तन से हमारे अस्तित्व पर खतरा मंडरा रहा है। पौधशाला भी तैयार की जा रही है यहां पर धरती माता व किसानों को आत्मनिर्भर करने के लिए फलदार इमारती आयुर्वेदिक पौधों की किस्में तैयार की जाती है, जिसमें ग्रामीण एवं किसानों के प्रशिक्षण देकर आत्मनिर्भर बनाने की और उनको अग्रसर किया जाता है। सरपंच अनिता पालीवाल, पर्यावरण प्रेमी श्याम सुंदर पालीवाल सहित सैकड़ों ग्रामीण एवं पर्यावरण प्रेमी उपस्थित थे।

वर्तमान में कृषि जैव विविधता का खाद्य एवं पौषण सुरक्षा में बहुत ही

अनुसंधान निदेशक ने भी विचार व्यक्त किए।

प्रकृति को बचाना है तो धरातल पर उतरना होगा

उदयपुर. वनस्पति विज्ञान विभाग, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय एवं राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान गृह मंत्रालय भारत सरकार के संयुक्त तत्वावधान में जलवायु कार्रवाई और आपदा जोखिम और शासन शीर्षक पर एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबीनार हुआ। वनस्पति विज्ञान विभागाध्यक्ष व संयोजक डॉ. जीएस देवड़ा ने बताया कि हमारी धरती अपने वहन करने की क्षमता के करीब पहुंच रही है। ऐसे में आधुनिक परिदृश्य में स्थानीय, क्षेत्रीय और वैश्विक स्तर पर जलवायु कार्य, आपदा प्रबंधन और शासन की आवश्यकता पर बल दिया और कहा कि हम गलत दिशा में जा रहे हैं और आप जानते हैं कि हमारे पास और समय नहीं है। मुख्य वक्ता प्रोफेसर दीनबंधु साहू, पूर्व कुलपति फकीर मोहन विश्वविद्यालय, ओड़िसा ने बताया कि कैसे पर्यावरण संरक्षण के लिए आज के समय पर्यावरण संरक्षण की प्रतिबद्धता अति आवश्यक है। प्रो. एमके पंडित, प्रो. बी डब्ल्यू पांडे आदि ने विचार व्यक्त किए।

पानी, बेटी, जंगल बचाने का संदेश : 48 बेटियों को माताएं पालने में लेकर आईं और पौधरोपण कर उनके नाम की तख्तियां लगाई

राजसमंद| निर्मल ग्राम पंचायत पिपलांत्री में बुधवार को पर्यावरण महोत्सव मनाया गया। इस दौरान माताएं अपनी नवजात बेटियों को पालने में रखकर सिर पर उठाकर लेकर आयी। पिपलांत्री में पानी, बेटी, जंगल को बचाने के लिए पर्यावरण महोत्सव मनाया जाता है। महोत्सव में ग्रामीणों ने पूरे विश्व को बेटी, पानी, पेड़, गोचर भूमि और वन्यजीवों को बचाने का संदेश दिया। बुधवार को 48 बेटियों के नाम पर पौधरोपण किया गया। अब तक बेटियों के नाम पर लगभग 90 हजार सहित 4 लाख पौधे रोपे गए है। कार्यक्रम में अध्यक्षता सुविवि कुलपति अमेरिका सिंह, मुख्य अतिथि मावली विधायक धर्मनारायण जोशी, विशिष्ट अतिथि विधायक दिप्ति माहेश्वरी रहे। कार्यक्रम में गांव सहित आसपास के क्षेत्र की मां और बेटियों के सम्मान में पौधरोपण किया गया। वर्ष 2020 में जन्मी बेटियों के नाम पर उनके माता-पिता ने समारोह पूर्वक पौधरोपण किया। प्रत्येक पौधे के साथ बेटी का नाम लिखी तख्ती लगाई गई। सरपंच अनिता पालीवाल, पर्यावरण प्रेमी श्याम सुंदर पालीवाल ने पिपलांत्री मॉडल के बारे में विस्तार से जानकारी दी। पिपलांत्री में पौधरोपण के साथ-साथ पौधशाला भी तैयार की जा रही है। जिसमें ग्रामीण एवं किसानों को प्रशिक्षण देकर आत्मनिर्भर बनाने की और उनको अग्रसर किया जा रहा है।

Vivo V15Pro
AI Triple Camera
WIDE

एमपीयूएटी विज्ञान मेला - 2012 एवं पुष्प, फल व सब्जी प्रदर्शनी

समन्वित कृषि एवं खाद्य सुरक्षा

महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर

२८ फरवरी २०12

प्रमाण पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि सुश्री/श्रीमती/श्री मोहनलाल सुखाडिया विश्वविद्यालय (LHS वाटिका

सुपुत्री/पत्नि/सुपुत्र श्री .... निवासी ....

जिला उदयपुर .... ने एमपीयूएटी विज्ञान मेला - 2012 के अन्तर्गत आयोजित मेरीगोल्ड

प्रतियोगिता में भाग लिया एवं प्रथम स्थान प्राप्त किया।

निदेशक
प्रसार शिक्षा निदेशालय, उदयपुर

अधिष्ठाता
राजस्थान कृषि महाविद्यालय, उदयपुर